

# ऊर्जा क्षेत्र में संभावनाओं पर देश की चुनिंदा फैकल्टी की क्लास

## IIT में 2 दिसंबर तक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

भास्कर संवाददाता | इंदौर

ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे विकास, बदलाव और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए आईआईटी इंदौर द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम किया जा रहा। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन करना, उनका कौशल विकास और वर्तमान में किए जा रहे शोध के बारे में जागरूक करना है।

प्रोग्राम 21 से 26 नवंबर तक ऑनलाइन मोड के बाद 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक ऑफलाइन मोड में किया जा रहा। कार्यशाला के लिए 50 प्रतिभागियों का चयन किया गया, जो देशभर के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के फैकल्टी सदस्य हैं।



### इन देशों के विशेषज्ञ दे रहे ट्रेनिंग

कार्यशाला का उद्घाटन आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने किया। कोऑर्डिनेटर प्रो. परशराम एम. शिरागे व डॉ. रूपेश एस. देवन हैं। विशेषज्ञ डॉ. विलास पोल प्रोफेसर पड़र्यू यूनिवर्सिटी यूएसए, डॉ. मनोजित पुस्टी आईएमईपी एलएचसी-यूनिवर्सिटी ग्रेनोबल एल्प्स फ्रांस, डॉ. सावंत माली शोध प्रोफेसर चोनम नेशनल यूनिवर्सिटी ग्वांगजू दक्षिण कोरिया और आईआईटी इंदौर के फैकल्टी सदस्य डॉ. सुनील कुमार, डॉ. किरण बाला, प्रो. परशराम एम. शिरागे, प्रो. प्रशांत कोडगिरे और प्रो. जीएस मूर्ति शामिल हुए।